अमेरिका के प्रिंस्टन वि.वि. को मात दे रहा है आई आई टी

कानपुर 12 जनवरी। इमारत और इन्फा स्ट्रक्चर के साथ-साथ अच्छी फैकल्टी के कारण प्रिंस्टन विश्व विद्यालय अमेरिका को भी हमारा संस्थान मात दे रहा है। सूचना तकनीकि के क्षेत्र में बीते तीन वर्षों में जबरदस्त बदलाव आया है।

यह बातें न्यू जर्सी, न्यूयार्क से आये पूर्व छात्र भुवन दयाल श्रीवास्तव ने आज कहीं। श्री श्रीवास्तव न्यूयार्क में शुभ विजनेस सल्यूशन कम्पनी का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आई.टी.के क्षेत्र में जो लोग इनवेस्टमेन्ट करते हैं उनके लिए हम काम कर रहे हैं। उनका इनवेस्ट मेन्ट ६ माह से एक वर्ष के भीतर निकालना होता है। इसी पर हमारी कंपनी पूरी तरह से एक्सरसाइज करती है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि न्यूजर्सी में हम सभी भारतीय त्योहारों को परम्परागत ढंग से मनाते हैं।

सिलीगुड़ी, गोहाटी के थोक भावों में चाय खरीदें

जी हाँ

यदि अपना पैकेट निकालते हैं, खुली चाय थोक व फुटकर बेचते हैं, या सेल्समैन हैं तो हर तरह की खुली चाय सिलीगुड़ी, गोहाटी के थोक भावों में हमारें यहाँ प्राप्त करें।

खुली चाय के थोक विक्रेता एवं आढ़ती

GALAXY TEA HOUSE

33, एक्सप्रेस रोड, एंटायर के पास, कानपुर फोन- 0512-2395860, 9336216749

एक बटन दबाओ, दुनिया की जानकारी स्क्रीन पर

कानपुर, 12 जनवरी। सिकागो के कम्प्यूटर साईसेज कारपोरेशन में प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे १९८२ के यू.पी.बोर्ड इण्टरमीडिएट के टापर इलाहाबाद निवासी सरदार कुलवन्त सिंह ने बताया कि देश ने सूचना तकनीकि के क्षेत्र में जबरदस्त तरक्की की है। यह कहना गलत नहीं होगा कि उसने धाक जमा ली है। ग्लोबलाइजेशन के दौर में दुनिया सिकुड़ती जा रही है। प्रबन्धन को और अच्छा मैनेजमेन्ट करने की जरूरत है। एक बटन से ही सारी जानकारी इस सूचनाक्रांति के दौर में मिल जाती है। श्री सिंह का कहना था कि संस्थान की कार्यप्रणाली में जबरदस्त बदलाव आया है। अब हमारा संस्थान ज्यादा हाईटेक हो गया है और यह समय की मांग भी है। बदलाव का प्रभाव वर्तमान छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हो रहा है। उन्हें शोध से लेकर बेहतर शिक्षा मिल रही है। जिसकी कि आज सभी को जरुरत है।

आईआईटी : अपने परिवार के साथ परिचय देकर गाना सुनाते पूर्व छात्र।

पुराने नामों से पुकारा, गाने सुनाकर खो गये पुरानी यादों में

कानपुर, 12 जनवरी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व छात्रों के समागम में आज परिजनों व उनके बच्चों ने खूब मस्ती की। इस मौके पर असमय मौत के शिकार हुए ४ साथियों को याद कर उनकी यादें ताजी कीं।

- पूर्व छात्र देवेश चतुर्वेदी ने कहा- बिठूर का होगा सौंदर्यीकरण

आउट रीच सभागार में पूर्व छात्रों ने अपने साथियों को पुराने नाम लेकर पुकारा और बीते दौर की यादें ताजा कीं। अमेरिका से आये अनुराग सिंह ने कहा कि संस्थान का वह समय जीवन के स्वर्णिम काल का था। शिकागो से आये कुलवन्त सिंह ने कहा कि यदि उस समय की पोल पट्टी खोल दी तो सभी दौड़ाकर मारेंगे। संस्थान में गुजरा वक्त याद करते समय वह भावों में खो जाते। एक दूसरे से परिचय के दौरान छात्र व उनके बच्चों ने गाना गाकर सभी का मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. धीरज सांगवी ने कहा कि सभी को एक कड़ी में पिरोये रखना आसान नहीं होता। लेकिन हम सभी एक हैं और एक रहेंगे। इस अवसर पर बीते दौर के फिल्मी नगमों का भी पूर्व छात्रों ने भजा लिया। अतिथिगृह के लान में खास पर बैठकर पूर्व छात्रों ने संस्थान में गुजारे वक्त को याद किया। पूर्व छात्र बी.डी.श्रीवास्तव ने कहा कि संस्थान में जबरदस्त बदलाव आया है और अब यह संस्थान दुनिया की टाप क्लास के विश्व विद्यालयों को भी चुनौती दे रहा है। यह हम लोगों के लिए गर्व का विषय है। दिल्ली में पर्यटन विभाग में बतौर निदेशक कार्यरत १९८२ बैच के पूर्व छात्र देवेश चुतुर्वेदी ने बताया कि बिठूर के सौन्दर्यीकरण के लिए जो प्रस्ताव प्रदेश स्तर से भेजा गया था उसे मंत्रालय ने स्वीकृत कर दिया है।

पैकेट स्विच से टीवी, इन्टरनेट व टेलीफोन की उपलब्धता

कानपुर, 12 जनवरी। सन् १९८२ के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के पूर्व छात्र कंवरजीत सिंह ने ऐसा स्विच विकसित किया है जिसके लगने से टीवी, इन्टनेट व टेलीफोन की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी।

श्री सिंह की हैदराबाद में तेजस नेटवर्क के नाम से कम्पनी है। इस समय वह पचास से साठ देशों में पैकेट स्विच का निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह स्विच सर्विस प्रोवाइडर के लिए है। भारत की यह पहली कम्पनी है जो देश में नहीं बल्कि विदेशों में पैकेट स्विच बेंच रही है। उन्होंने इस स्विच की खासियत बताते हुए कहा कि एक स्विच लगा लेने के बाद जरुरत के हिसाब से टीवी, इन्टरनेट, टेलीफोन की सुविधाएं मिल जाती हैं। पहले इसके लिए अलग-अलग कनेक्शन लेने होते थे। देश के बाजार में भी जल्द ही यह स्विच बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध करा दिया जायगा।

सेहत से भरपूर वनस्पति मयूर

मयूर वनस्पति

(विटामिन ए व डी से परिपूर्ण)

500 मि.ली., 1, 2, 5, 10, 15 लीटर में उपलब्ध

साफ्टवेयर बता देगा, रोगी को कौन सी दवा कर रही है नुकसान

कानपुर, 12 जनवरी। आई.आई.टी.के १९८२ के सिविल इंजीनियरिंग के पूर्व छात्र अनुराग सिंह फिलेडेलफिया यू.एस.ए. में एजूकेशन मैनेजमेन्ट कम्पनी का संचालन कर रहे हैं। इलाहाबाद के रहने वाले श्री सिंह ने मेडिकल कालेजों के लिए एक साफ्टवेयर विकसित किया है।

सिमलेशन सिस्टम से मेडिकल छात्र कम्प्यूटर पर ही रोगी की बीमारियों और उसके उपचार के बारे में जमकर प्रयोग करें। इसके बाद ही वे रोगी को उपचार दें। उन्होंने बताया कि पहले जूनियर डाक्टर रोगी पर दवाओं का प्रयोग करते थे। लेकिन इस सिस्टम के आने से डाक्टरों को रोगी को कितनी डोज देनी है और कौन सी दवा उन्हें नुकसान कर रही है। इसकी भी जानकारी मिल जायेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पहले दूसरे देशों के लोगों को अमेरिका में डाक्टरी करने के लिए यू.एस.एम.एल.ई.परीक्षा पास करनी पड़ती थी।

स्वस्थ पशु.. सम्पन्न किसान..

कविला पशु आहार

Quality Product

ISO 9001 : 2000 Certified Co.

Ph.: 0512-2523617, 2523618, 3261232